सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बिजनेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिजनेस शुरू करने के लिए पेज: 7

रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 55 | बुधवार 27 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

योगी सरकार पर अखिलेश का बड़ा हमला, बोले- 'फर्जी मुठभेड़ें से खड़ा किया आपराधिक तंत्र'

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 26 मई को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए उस पर फर्जी मुठभेड़ों के माध्यम से एक आपराधिक तंत्र स्थापित करने और पुलिस कर्मियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए यादव ने दावा किया कि सरकार मुठभेड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों को बाद में छोड़ देती है। गोरखपुर फर्जी मुठभेड़ मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई पुलिसकर्मियों को जेल में डाल दिया गया है जबकि सरकार ने उनसे पल्ला झाड़ लिया है। यादव ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए पूरा आपराधिक तंत्र खड़ा हो गया है। कुछ वकील फर्जी मुठभेड़ों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बातें करते हैं और मनगढ़ंत कहानियां सुनाते हैं।

बढ़ते ईंधन की कीमत पर खड़गे का वार: पीएम मोदी को गरीब नहीं, विदेश यात्रा प्यारी

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच सरकार गरीबों की समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यह बयान दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद आया है, जिसमें सोमवार को पूरे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गईं। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन की कीमतों पर चिंता जताई। खरगे ने कहा कि इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी इन मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते

और देश को बर्बाद करना चाहते हैं। वे देश के लिए बलिदान देने का दावा करते हैं। अगर महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती रही तो कारखाने बंद हो जाएंगे। फिर क्या होगा? देश के लोग इस सरकार से नाराज हैं। यह सरकार गरीबों की समस्याओं को हल करने में असमर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देती, न ही देश के हित में क्या है, इस पर विचार करती है। यह मामला सिर्फ आज का नहीं है। सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। क्या वे देश चलाना चाहते हैं या

कच्चे तेल की कीमतें घटने के बावजूद पेट्रोल-डीजल रिकॉर्ड स्तर पर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बढ़ती ईंधन की कीमतों पर पीएम मोदी पर तीखा निशाना साधा, आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश की गंभीर समस्याओं जैसे महंगाई और बेरोजगारी पर ध्यान देने के बजाय 'पर्यटक बनकर घूमने' में व्यस्त हैं। उन्होंने सरकार की अक्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कच्चे तेल की कीमतें घटने के बावजूद पेट्रोल-डीजल रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जिससे आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है।

पर्यटक बनकर विभिन्न देशों की सैर करना चाहते हैं? इसी दिन इससे पहले, खरगे ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। पर एक पोस्ट में, उन्होंने प्रशासन पर ईंधन करों और मूल्य वृद्धि से मुनाफा कमाकर आम आदमी पर बोझ डालने का आरोप लगाया। खरगे ने मुद्रास्फीति और ईंधन की कीमतों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या। प्रेस सूचना ब्यूरो के एक बयान के आंकड़ों का हवाला देते हुए, खरगे ने बताया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने 26 मई, 2014 को पदभार संभाला था, तब कच्चे तेल की कीमत 108.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी और रुपये-डॉलर की विनिमय दर 58.59 रुपये थी। उस समय पेट्रोल की कीमत 71.51 रुपये और डीजल की कीमत 56.71 रुपये प्रति लीटर थी। उन्होंने कहा कि आज कच्चे तेल की कीमत 99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से कम है, लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्रमशः 102.12 रुपये और 95.20 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे शब्दों में, कच्चा तेल सस्ता हो गया है

कावेरी विवाद: सीएम विजय की पीएम मोदी को चिट्ठी, मेकेदातु परियोजना सुप्रीम कोर्ट का उल्लंघन है

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय परियोजना को आगे बढ़ाने से रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करें। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (सीडब्ल्यूडीटी) के फैसले का उल्लंघन करता है। प्रधानमंत्री को लिखे एक विस्तृत पत्र में मुख्यमंत्री ने मेकेदातु परियोजना के लिए कर्नाटक द्वारा भूमि पूजन की घोषणा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम ने तमिलनाडु के उन किसानों में व्यापक चिंता पैदा कर दी है जो कृषि और आजीविका के लिए कावेरी नदी के पानी पर

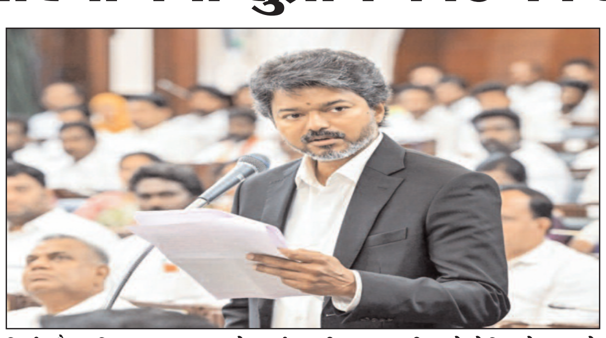

निर्भर हैं। तमिलनाडु सरकार ने तर्क दिया कि मेकेदातु परियोजना को कावेरी जल निकासी प्रणाली विभाग (सीडब्ल्यूडीटी) के अंतिम निर्णय के तहत कभी भी मंजूरी नहीं दी गई थी, जिसे बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने 16 फरवरी, 2018 के अपने ऐतिहासिक फैसले में बरकरार रखा था। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि कावेरी बेसिन को पहले से ही जल-कमी वाले बेसिन के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उपलब्ध जल को तटवर्ती राज्यों के बीच पूरी तरह से आवंटित किया जा चुका है। विजय ने अपने पत्र में कहा कि आप शायद इस बात से भलीभांति परिचित हैं कि कावेरी जल विवाद का समाधान लगभग तीन दशकों तक चले लंबे कानूनी संघर्ष के बाद प्राप्त हुआ था और 16 फरवरी, 2018 का निर्णय कार्यान्वयन के अधीन है। मेकेदातु परियोजना न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की सूची में नहीं है, जिसकी पुष्टि उपरोक्त निर्णय द्वारा की गई है। अतिरिक्त उपयोग या एक नया विशाल भंडारण जलाशय बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि कावेरी बेसिन को जल की कमी वाला बेसिन पाया गया है और 50 प्रतिशत निर्भरता पर उपलब्ध जल पहले ही संबंधित राज्यों को आवंटित किया जा चुका है। इसलिए, न्यायाधिकरण द्वारा अपने अंतिम निर्णय में विशेष रूप से स्वीकृत परियोजनाओं के अलावा, कावेरी या उसकी सहायक नदियों पर किसी भी नई परियोजना की योजना बनाना, जिसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में पुष्टि की है

दिल्ली में राशन कार्ड की आय सीमा बढ़ी, 2.5 लाख रुपये हुई, लाखों परिवारों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली मंत्रिमंडल ने मंगलवार को राशन कार्ड धारकों की पहुंच बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जिसके तहत वार्षिक पारिवारिक आय सीमा को 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने राशन कार्ड धारकों के लिए डिजिटल मुद्रा प्रणाली शुरू करने की भी घोषणा की। इस नई व्यवस्था के तहत, डिजिटल मुद्रा की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी, जिससे वे आवंटित धनराशि का उपयोग करके राशन खरीद सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राशन केवल डिजिटल मुद्रा प्रणाली के माध्यम से ही उपलब्ध होगा। यह कदम सार्वजनिक

वितरण प्रणाली में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह निर्णय दिल्ली सरकार द्वारा सत्यापन अभियान के दौरान लगभग 7.72 लाख सदस्यों के नाम राशन कार्डों से हटाने के कुछ दिनों बाद आया है। अधिकारियों ने बताया कि अब उनके स्थान पर नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, सरकार ने संपत्तियों के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की सरलीकृत नीति को भी मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य जल अवसंरचना शुल्क को कम करना और निवासियों पर वित्तीय बोझ को कम करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को यह घोषणा की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि जल अवसंरचना शुल्क अब केवल नई निर्माण परियोजनाओं या मौजूदा संपत्तियों पर किए गए अतिरिक्त निर्माण पर ही लागू होगा। उन्होंने कहा कि जल और सीवर अवसंरचना शुल्क अब भवन के कुल क्षेत्रफल के बजाय वास्तविक जल मांग के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि संशोधित नीति पारदर्शिता बढ़ाने, विकास को प्रोत्साहित करने और उन नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए बनाई गई है जिन्हें पहले भारी शुल्क चुकाना पड़ता था। सरकार ने विभिन्न श्रेणियों की कॉलोनियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए रियायतों की घोषणा भी की है।

अस्वाभाविक जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर मोदी सरकार का बड़ा कदम, जांच के लिए उच्च-स्तरीय पैनल गठित

नई दिल्ली एजेंसी: सरकार ने मंगलवार को घुसपैठ और अन्य कारणों से देश में हो रहे अस्वाभाविक जनसांख्यिकीय परिवर्तन की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर इस कदम के बारे में जानकारी साझा की, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को की थी। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया कि अवैध जनसांख्यिकीय परिवर्तन के लिए घुसपैठ और अन्य कारण किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती पेश करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसी चुनौती से निपटने के लिए, 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर उच्च स्तरीय समिति की घोषणा की थी। मुझे आपको यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि सरकार ने अब इस समिति का गठन कर दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नौलेकर

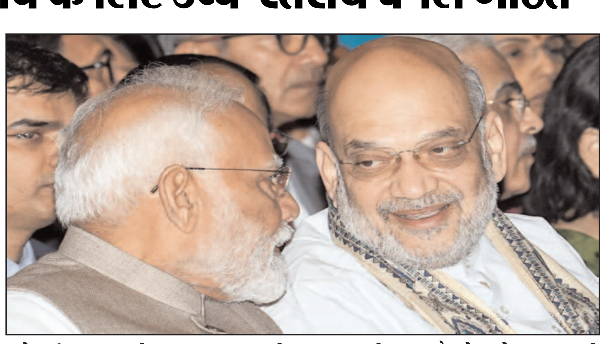

(सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली इस समिति में जनगणना आयुक्त के साथ श्री दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएएस), श्री बालाजी श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि सदस्य होंगे। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (विदेशी-क) इस समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। देश के लिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन को एक प्रमुख चिंता का विषय बताते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि समिति एक व्यापक मूल्यांकन करेगी और समाधान प्रस्तुत करेगी। उन्होंने आगे कहा कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा है जो न केवल हमारी संप्रभुता से जुड़ा है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गहन परिवर्तन और आदिवासी समाज के संरक्षण से भी संबंधित है। यह समिति अवैध आप्रवासन और अन्य अप्राकृतिक कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का व्यापक मूल्यांकन करेगी, धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या स्थानांतरण के पैटर्न का विश्लेषण करेगी और इसके लिए एक योजनाबद्ध और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी।

यूसीसी से अल्पसंख्यक महिलाओं को मिलेगी उच्चतम सुरक्षा, असम सीएम ने विरोधियों को लताड़ा!

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का बचाव करते हुए कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिक सुरक्षा और न्याय दिलाना है। सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राजनीतिक हितों से ऊपर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी और विधानसभा के पहले ही सत्र में धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से यूसीसी विधेयक पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए नहीं आए हैं। अपने समर्थकों या राजनीतिक हितों के लिए कुछ भी करने से पहले, हमने सामाजिक न्याय के लिए समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करेगा और विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मामलों में उनके अधिकारों को मजबूत करेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर विधेयक के उद्देश्य को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यूसीसी अल्पसंख्यक समाजों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। विधानसभा में हुई पिछली बहस को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने रायजोर दल के एक विधायक के साथ हुई अपनी पिछली बातचीत का जिक्र किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि राज्य 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है।

राहुल गांधी का बड़ा ऐलान: कांग्रेस में दलितों की होगी 'केंद्रीय भूमिका', यूपी चुनाव पर नजर

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि दलित अब पार्टी के भीतर एक केंद्रीय भूमिका निभाएंगे, और उन्होंने जाति आधारित क्षेत्रीय दलों के उदय का श्रेय पिछले दशकों में कांग्रेस की अपनी नीतियों को दिया। 26 जनवरी को कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग की बैठक को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस ने 1980 और 90 के दशक के दौरान दलितों के लिए उचित उपाय किए होते, तो न तो जाति आधारित क्षेत्रीय पार्टियां उभरतीं और न ही दलित उनकी ओर आकर्षित होते। बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने दलित समुदाय को एकजुट करने और उनमें आत्मविश्वास जगाने के लिए बसपा संस्थापक कांशी राम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा एक साथ क्षेत्रीय दलों को भंग करने और दलितों के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रही है, जिससे दलितों के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं। राहुल

गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस दलित अधिकारों की रक्षा करेगी और बाबासाहेब अंबेडकर के सपनों को साकार करेगी, साथ ही उन्होंने कहा कि दलित पार्टी में अहम भूमिका निभाएंगे। ठीक एक साल पहले, राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि कांग्रेस ने ओबीसी समुदाय की उपेक्षा की है और इसके लिए माफी मांगी थी। अब उन्होंने दलित समुदाय के बारे में भी इसी तरह की भावना व्यक्त की है। इन प्रयासों के माध्यम से राहुल गांधी दलित और पिछड़े समुदायों के बीच कांग्रेस की स्थिति को मजबूत करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान उन्होंने संविधान प्रदर्शित करते हुए रैलियां निकालीं और आरोप लगाया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में संविधान खतरे में है। माना जाता है कि इस रणनीति ने दलित मतदाताओं के बीच कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को चुनावी लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राहुल गांधी ने ओबीसी श्रेणी के लिए जाति जनगणना की भी वकालत की है। इन सभी पहलों के चलते लोकसभा में कांग्रेस पार्टी की सीटों की संख्या दोगुनी हो गई है।

''जल्दी जल्दी भागो, नहीं तो सरकार जो करना होगा वो करेगी', सुवेंदु अधिकारी ने बांग्लादेशी घुसपैठिए को दी खुली चेतावनी

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर सियासत और प्रशासनिक सख्ती अब खुलकर सामने आ गई है। राज्य सरकार ने जहां एक ओर अवैध घुसपैठ के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अपनाया है, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों की नई घोषणाओं के जरिए जनता तक अपनी पहुंच मजबूत करने का प्रयास भी तेज कर दिया है। मंगलवार को आयोजित प्रशासनिक बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने साफ संकेत दे दिए कि अब राज्य में कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। कल्याणी में नदिया, हुगली और उत्तर 24 परगना जिलों के अधिकारियों के साथ हुई प्रशासनिक बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया कि उत्तर 24 परगना जिले के बसिरहाट उपखंड स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की बड़ी संख्या जमा हो गई है और वे स्वयं बांग्लादेश लौटने के लिए तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने बेहद तीखे अंदाज में कहा कि जल्दी जल्दी भागो, नहीं तो सरकार जो करना होगा वह करेगी। उनके इस बयान ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अब उन लोगों पर

जनता का पैसा खर्च नहीं करेगा जो अवैध रूप से यहां रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों तक वोट बैंक की राजनीति के कारण कानून का सही उपयोग नहीं किया गया और घुसपैठ को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने दो टूक कहा कि अब वोट बैंक नहीं, बल्कि देश और राज्य के हित को प्राथमिकता दी जाएगी। उनका कहना था कि अवैध घुसपैठ पश्चिम बंगाल के मूल निवासियों और भारतीय नागरिकों के अधिकारों पर

अधिकारियों के साथ हुई प्रशासनिक बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया कि उत्तर 24 परगना जिले के बसिरहाट उपखंड स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की बड़ी संख्या जमा हो गई है और वे स्वयं बांग्लादेश लौटने के लिए

सीधा हमला है। राज्य सरकार ने इसी क्रम में ह्लपहचानो, हटाओ और निर्वासित करोह्व नीति को तेज गति से लागू करना शुरू कर दिया है। इस नीति के तहत हर जिले में ऐसे केंद्र बनाए जा रहे हैं जहां पकड़े गए विदेशी नागरिकों और रिहा किए गए विदेशी कैदियों को अस्थायी रूप से रखा जाएगा, जब तक कि उनके निर्वासन की प्रक्रिया पूरी न हो जाए। मालदा इस दिशा में पहला जिला बन गया है जहां इंग्लिश बाजार के चंदन पार्क में एक विशेष होल्डिंग केंद्र शुरू किया गया है। यहां फिलहाल महिलाओं और बच्चों समेत नौ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार इन केंद्रों का उद्देश्य उन विदेशी नागरिकों को रखना है जो अवैध प्रवेश या वैध दस्तावेजों की कमी के आरोप में पकड़े गए हैं। जांच और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें यहीं रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने पहले ही यह घोषणा कर दी थी कि जो घुसपैठिये नागरिकता संशोधन कानून के दायरे में नहीं आते, उन्हें राज्य पुलिस सीधे सीमा सुरक्षा बल को सौंप देगी ताकि लंबी कानूनी प्रक्रिया में समय बर्बाद न हो। इसी बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देश में अवैध घुसपैठ और असामान्य जनसंख्या परिवर्तन के मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है जो देश में जनसंख्या संतुलन पर अवैध घुसपैठ के प्रभाव का अध्ययन करेगी। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ के कारण होने वाला असामान्य जनसंख्या परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। इससे यह स्पष्ट हो गया है

संपादकीय

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है।

चिंतन-मनन

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टे-केगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का ह्दय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

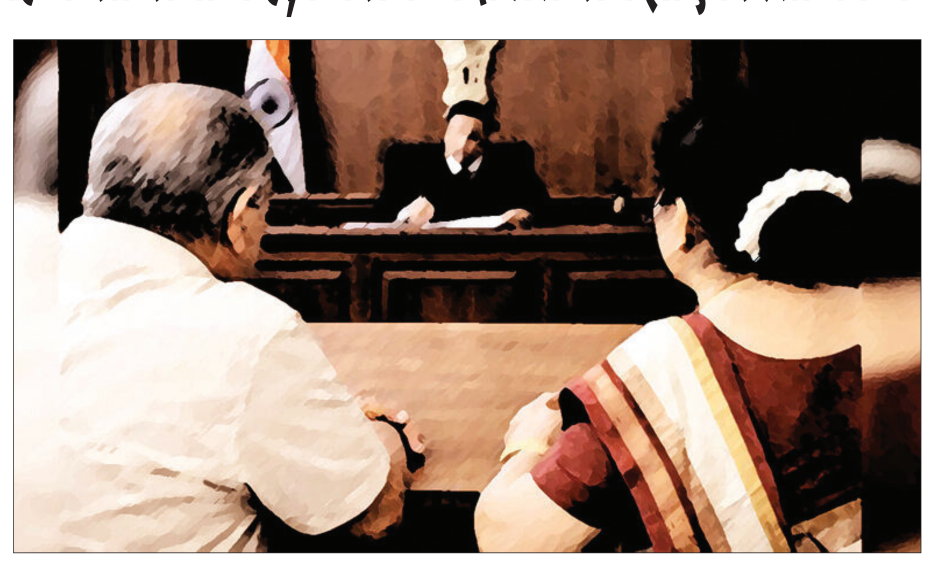

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मयार्दाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

बछरायूं क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए 23 सीसीटीवी कैमरे , सहयोग करने वाले नागरिको किया गया सम्मानित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने और निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए चलाए जा रहे "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के तहत 23 नए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की गई। पुलिस ने नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए सहयोगियों को सम्मानित भी किया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया एवं थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह तोमर के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाकर संभावित आपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोकना है। बछरायूं पुलिस की अपील पर धनौरा ब्लॉक के ग्राम हयातपुर व ग्राम लम्बिया में समाजसेवी जितेन्द्र सिंह व अन्य ग्रामीणों के सहयोग से कुल 23 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए। ये कैमरे दोनों गांवों में आने-जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर लगाए गए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके। सीसीटीवी से संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत नजर रखी जा सकेगी, जिससे बाहरी व असामाजिक तत्वों द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका कम होगी। थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह तोमर ने बताया कि इससे पहले भी बछरायूं पुलिस द्वारा कस्बा बछरायूं, प्रमुख अस्पतालों, चौराहों व अन्य गांवों में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा चुके हैं। ये कैमरे अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की प्रशंसा की। इस पर थानाध्यक्ष तोमर ने सीसीटीवी लगवाने में सहयोग करने वाले नागरिकों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कस्बे के मुख्य चौराहों और गांवों के आवागमन मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाना बेहद जरूरी है। इससे क्षेत्र सुरक्षित रहेगा और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सकेगा।

एडीएम ने की बीएड प्रवेश परीक्षा परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक

जनपद में 31 मई को 06 केन्द्रों पर 02 पालियों में होगी परीक्षा, 06 केंद्रों पर 2554 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ के निर्देशों के क्रम में अपर जिला मजिस्ट्रेट गरिमा सिंह की अध्यक्षता और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया की उपस्थित में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में 31 मई 2026 को उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने सभी केंद्र प्रतिनिधि, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक को निर्धारित प्रक्रियानुसार परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों पर महिला अभ्यर्थियों की जांच अनिवार्य रूप से महिला कार्मिकों द्वारा की जाए। गरिमा सिंह ने कहा कि अधिकारी सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर लें। उन्होने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी पुलिस अधिकारी के साथ निरीक्षण कर परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जांच कर लें अगर कहीं कोई कमी पाई जाती है तो उसको तत्काल दुरुस्त कराएं। कक्ष निरीक्षकों की अच्छी तरह से ब्रीफिंग और ट्रेनिंग करा दी जाये। परीक्षा के दौरान सभी अधिकारी भ्रमणशील रहें। कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक प्रश्न पत्र को गाडी में पुलिस अभिरक्षा सहित प्रोटोकाल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ले जाया जाए। नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में जारी निर्देशों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। विद्युत के बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी साफ सफाई कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। अभ्यर्थियों के बैग, मोबाइल और अन्य सामान को सुरक्षित रखने के लिए क्लॉक रूम की व्यवस्था के निर्देश दिए। बीएड प्रवेश परीक्षा परीक्षा जनपद में 06 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी। जनपद में कुल 2554 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 09:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 02:00 से 05:00 बजे तक दो पालियों में होगी। कुन्दन मॉडल इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, आई०एम० इण्टर कालेज, जे०एस० हिन्दू इण्टर कालेज, जे०एस०हिन्दू पी०जी० कालेज ब्लॉक-ए और जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-बी को केंद्र बनाया गया है।अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने बताया कि परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर मसीहा नजम, शशिभूषण पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, केंद्र प्रतिनिधि, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, विद्यालयों के प्राचार्य सहित संबंधित उपस्थित रहे।

ईद-उल-अजहा को लेकर डीएम-एसपी ने किया पैदल मार्च

अमरोहा (सब का सपना):- ईद-उल-अजहा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ तथा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने सोमवार को भारी पुलिस बल के साथ टीपी नगर चौराहा से बिजनौर रोड होते हुए

कोतवाली नगर तक प्रमुख बाजार क्षेत्रों का पैदल दौरा किया। दोनों अधिकारियों ने बाजार बटवाल, बाजार कोट, कोट चौराहा, बाजार शपात पोता, बाजार घेर मुनाफ, सरार्फा बाजार कटरा, बाजार गुजरी, गंज चौराहा, बसावन गंज और कोतवाली नगर के आसपास के बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर रॉन्ग साइड वाहनों के काटे चालान, चौराहे से हटवाया अतिक्रमण

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बुधवार को पुलिस ने शिकंजा कसा। जोया पुल के नीचे दिल्ली साइड जाने वाले सर्विस रोड पर विपरीत दिशा में आ रहे वाहन चालकों के खिलाफ यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने चालान की कार्रवाई की। इस दौरान नगर पंचायत ईओ विपिन कुमार, चौकी इंचार्ज संजीव कुमार व स्थानीय ट्रैफिक पुलिस बल ने संयुक्त अभियान चलाकर जोया चौराहे के चारों तरफ से अतिक्रमण हटवाया। नगर पंचायत ने चौराहे पर ठेला-पटरी लगाकर अतिक्रमण करने वालों पर भारी जुमार्ना भी लगाया।यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने रॉन्ग साइड से आने वाले वाहन चालकों को रोककर यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लोगों की सुविधा के लिए चौराहे पर यातायात नियमों से संबंधित साइन बोर्ड भी लगवाए गए। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सड़क सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करें और गलत दिशा में वाहन न चलाएं।

रजबपुर में दो युवकों पर युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में केस दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रजबपुर थाने में दो युवकों पर एक युवती को बहला फुसला कर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में रजबपुर पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है बताया जा रहा है की युवती अपने साथ घर से मोबाइल, नकदी और सोने-चांदी के जेवर भी लेकर गई है। बता दें कि रजबपुर थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां 21 वर्षीय युवती को दो युवकों द्वारा बहला-फुसलाकर घर से ले जाने का आरोप लगा है। युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 मई की रात उनकी 21 वर्षीय बेटी घर से चली गई। आरोप है कि गांव हाफिजपुर निवासी प्रियांशु और दीपांशु पुत्र दीपक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। युवती ने घर में लगे कैमरे बंद कर दिए और ऊपर का दरवाजा भी बंद कर दिया। वह कपड़े के सहारे छत से उतरकर फरार हुई।परिजनों को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने युवती की तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित पिता ने पुलिस को लिखित शिकायत दी।

पुलिस ने 25 मई को रात करीब 10 बजे प्राप्त तहरीर के आधार पर आरोपी प्रियांशु और दीपांशु के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। रजबपुर थाना प्रभारी विकास कुमार सहरावत ने बताया कि प्रकरण में वैधानिक कार्यवाही जारी है।

प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाए जाने पर हसनपुर विधायक का ग्राम प्रधानों ने किया सम्मान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाए जाने की घोषणा होने के बाद खुशी में बुधवार को विधानसभा हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी का क्षेत्र के ग्राम प्रधानों ने स्वागत किया। प्रधानों ने विधायक को फूल-माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और आभार जताया। इस दौरान विधायक खड़कवंशी ने कहा कि सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानों का कार्यकाल बढ़ने से अधूरे विकास कार्य पूरे हो सकेंगे और जनता को योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने सभी प्रधानों से अपने-अपने गांवों में पारदर्शिता के साथ विकास कार्य कराने की अपील की।

सम्मान समारोह में क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधान व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रधानों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि कार्यकाल बढ़ने से गांवों में चल रहे निर्माण कार्यों को गति मिलेगी। इस दौरान ग्राम प्रधान अनिल गुर्जर, पप्पू प्रधान, नन्हे प्रधान सहित दर्जनों ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

डिडौली क्षेत्र में बाइक सवार को बचाने के प्रयास में दीवार से टकराई कार, एक की मौत,एक घायल

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा बाइक सवार को बचाने के प्रयास में हुआ। इस हादसे में कर दीवार से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बता दें कि इस मामले में प्रत्यक्ष दर्शियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक हादसा देर रात हाईवे किनारे स्थित लैंडमार्क कॉलेज के पास हुआ जहां सामने से अचानक आए एक बाइक सवार को बचाने के लिए कार चालक ने वाहन को तेजी से मोड़ा जिससे कार अनियंत्रित हो गई और हाईवे से लगभग 20 मीटर दूर जाकर कॉलेज की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।मृतक की पहचान डिडौली गांव निवासी जुनैद (पुत्र यूनुस) के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक ढकिया चमन निवासी बारिस (पुत्र रहीश) है। दोनों दिल्ली में इको टैक्सी चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। सोमवार रात जुनैद अपने दोस्त बारिस को जोया से उसके गांव छोड़ने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।टक्कर के बाद दोनों युवक कार के भीतर बुरी तरह फंस गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर बताई थी। इलाज के दौरान जुनैद की मौत हो गई, जबकि बारिस का उपचार अभी जारी है।पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से जुनैद के परिवार में दुख का माहौल है।

धनौरा नगर पालिका सभागार में चेयरमैन के तीन साल पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा नगर पालिका परिषद सभागार में चेयरमैनी के 3 साल पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल एवं अधिशासी अधिकारी अवधेश वर्मा ने पिछले तीन वर्षों में किए गए विकास कार्यों की उपलब्धियां का विवरण प्रस्तुत किया और भविष्य में होने वाले प्रमुख विकास कार्य की घोषणा की। बता दें कि मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि जीवन संघर्ष का मंच है और मैं जनता के हक के लिए हमेशा संघर्ष करता रहूंगा उन्होंने कहां की 26 मई 2023 को मैंने चेयरमैन का पदभार संभाला था। बीते इन तीन वर्षों में धनौरा नगर को जल भराव और खराब सड़कों की समस्या से निजात दिलाने के लिए 81 सब को 17 मुख्य बड़े नालों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि शेरपुर रोड और चांदपुर चुंगी से मंडी समिति रोड तक विशेष लाइटें लगाकर पूरे मार्ग का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गिहार समाज के अंत्येष्टि स्थल का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता के आधार पर कराया गया है।नगर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए विभिन्न सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर पाँच नई हाईमास्ट लाइटें लगाई गई हैं। इनमें दो कब्रिस्तान, तीन मंदिर और एक अंबेडकर पार्क शामिल हैं।चेयरमैन ने घोषणा की कि बालाजी मंदिर पर करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। इसके साथ ही, गंज बाजार, माता मंदिर और वाल्मीकि मंदिर का भी जीर्णोद्धार कराया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन ने हाल ही में नुमाइश को लेकर हुए व्यवधान पर आपत्ति व्यक्त की। उन्होंने विरोध करने वालों से संयम बरतने का आग्रह करते हुए कहा कि नुमाइश में गरीब, फड़ और रेहड़ी-पटरी वाले अपनी दुकानें लगाते हैं, जिससे उनका जीवनयापन होता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा केवल विकास की है और धनौरा को जल्द ही एक 'स्मार्ट सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा।इस गौरवमयी अवसर पर ईओ अभदेश वर्मा, राजू बादशाह, सोनिया अग्रवाल, आलम शेख, दुलीचंद गिहार, गौरव धारीवाल, गुरवचन सिंह, किशन लाल प्रजापति, समीर बाबू, प्रशांत त्यागी, ओमवीर सैनी, अशोक घरौटिया, नौशाद मंसूरी, अफजाल सैफी, भोला अंसारी, जितेश जाटव, सतीश कुमार, नरेंद्र सिंह, प्रत्यक्ष शर्मा और सीमा देवी सहित भारी संख्या में सभासद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भगवानपुर गंगाघाट पर मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- भगवानपुर गंगाघाट पर आयोजित मेले में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। गंगा स्नान के साथ बच्चों के मुंडन संस्कार भी बड़ी संख्या में कराए गए। इस बार गंगाघाट किनारे पानी कम होने की वजह से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सुरक्षित तरीके से गंगा में डुबकी लगाते नजर आए। मेले के दौरान प्रभु कुटी भगवानपुर में श्रीमद्भागवत गीता पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। वहीं दूसरी ओर भगवानपुर मेला मार्ग पर जगह-जगह छबील लगाकर श्रद्धालुओं के लिये मीठे शर्बत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच सामाजिक कार्यकताओं की इस सेवा की लोगों ने सराहना की। स्नानार्थियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। गंगाघाट पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रही। स्थानीय नाविकों और गोताखोरों को भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था। चौकी से चौकीदारों की तैनाती के साथ चौकी इंचार्ज नीटू कुमार एवं सीओ रामकरन सिंह समस्त पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्था का जायजा लेते रहे। मेले में धार्मिक आस्था, सेवा और सुरक्षा व्यवस्था का सुंदर समन्वय देखने को मिला।।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, पिता-पुत्री की मौत, पांच घायल

कैलादेवी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गंगा एक्सप्रेस-वे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। थाना कैला देवी क्षेत्र में मंगलवार सुबह को दो कारों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में पिता और पुत्री की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि गलत दिशा से आ रही एक पोलो कार ने सामने से आ रही मर्सिडीज कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही थाना कैला देवी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

वहीं हादसे में मृत पिता-पुत्री के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है। लगातार हो रहे सड़क हादसों ने गंगा एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पंपलेट वितरित कर किया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

चरी के खेत में मिला युवक का सड़ा-गला शव, इलाके में फैली सनसनी

सलारपुर में दो दिनों में दूसरी बड़ी घटना,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

सम्भल(सब का सपना):- थाना नखासा क्षेत्र के सालारपुर गांव में मंगलवार को एक युवक का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। अभी लोग सोमवार को हुए स्विंग पुल हादसे को भूल भी नहीं पाए थे कि गांव में दूसरी बड़ी घटना सामने आ गई। जूनियर हाई स्कूल के पीछे चरी के खेत में करीब 50 फीट दूरी पर पड़ी लाश मिलने की खबर से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि खेत स्वामी दोपहर के समय पशुओं के लिए चारा काटने खेत पर गया था। इसी दौरान उसे खेत के अंदर से तेज बदबू महसूस हुई। जब वह अंदर पहुंचा तो वहां एक शव पड़ा देखकर उसके होश उड़ गए। शव काफी गल चुका था, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा था। घबराया खेत स्वामी तुरंत गांव पहुंचा और लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। काफी देर तक शव की पहचान करने की कोशिश की गई। इसी दौरान जानकारी मिली कि सालारपुर गांव निवासी नाई समाज के कल्लू अपने बेटे फुरकान को शनिवार से तलाश रहे हैं। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव के पास पड़े कपड़ों को देखकर परिजनों ने मृतक की पहचान फुरकान के रूप में की। घटना की सूचना थाना नखासा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। खेतों के आसपास भारी भीड़ जमा हो गई और आसपास के गांवों के लोग भी मौके पर पहुंचने लगे। ग्रामीणों में चर्चा रही कि क्षेत्र में लगातार प्रशासन की आवाजाही रहने के बावजूद दो दिनों में दो बड़ी घटनाएं होना चिंता का विषय है।

मृतक के भाई इस्लाम ने बताया कि फुरकान शराब पीने का आदी था। शनिवार को वह अपने एक दोस्त के साथ बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिवार ने उसकी काफी तलाश की और थाना नखासा में भी जानकारी की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना के बाद परिवार में गम का माहौल है। परिजनों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने परिजनों को भरोसा दिलाया है कि जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

गुन्नौर तहसील में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 39 बीघा तालाब भूमि कराई कब्जामुक्त

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देश पर जनपद में तालाबों एवं चक मार्गों से अवैध कब्जे हटाने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द्र के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम सैंजना और ग्राम झुकैरा में लगभग 39 बीघा तालाब भूमि को कब्जामुक्त कराया। गौरतलब है कि जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल द्वारा 20 मई को समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खंड विकास अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर सरकारी तालाबों एवं चक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही दो हेक्टेयर एवं उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का चिन्हीकरण कर सूची तैयार करने को कहा गया था। इसी अभियान के तहत उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकासचन्द्र, राजस्व निरीक्षक जाहरी सिंह, नदीम अहमद तथा लेखपाल राजवीर सिंह, सचिन मित्तल और सुधीर सिंह ने पुलिस बल के साथ ग्राम सैंजना में तालाब भूमि गाटा संख्या 602, रकबा 0.240 हेक्टेयर पर हुए अस्थायी अवैध कब्जे को हटवाया। वहीं दूसरी कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक बृजपाल सिंह, रनवीर सिंह एवं लेखपाल दुर्गेश त्रिपाठी, अनुज दुबे, अखिलेश और विनीत कुमार की टीम ने पुलिस बल के साथ ग्राम झुकैरा में तालाब भूमि गाटा संख्या 1 कमि., रकबा 2.290 हेक्टेयर का चिन्हीकरण करते हुए अवैध कब्जा हटाकर भूमि को मुक्त कराया ।उप जिलाधिकारी विकासचन्द्र ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 39 बीघा भूमि को कब्जामुक्त कराया गया है तथा जिलाधिकारी के निदेशानुसार आगे भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने स्पष्ट कहा कि जनपद में तालाबों एवं चक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि तालाबों का संरक्षण जल संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है, इसलिए इनके संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है।

बकरीद को लेकर संभल में प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने किया पैदल गश्त

सम्भल(सब का सपना):- बकरीद पर्व के दृष्टिगत जनपद सम्भल में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। सोमवार को जिलाधिकारी सम्भल अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने थाना नखासा और थाना सम्भल क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान अधिकारियों ने बाजारों, संवेदनशील क्षेत्रों तथा प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया और आमजन से संवाद स्थापित करते हुए आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान अधिकारियों ने संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार भ्रमणशील रहने, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने तथा प्रभावी चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बकरीद पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जनपद भर में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

बहजोई में बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम के बिजली मीटर से उठा धुआं बड़ा हादसा टला

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई मेन चौराहे पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम के बाहर लगे बिजली मीटर से अचानक धुआं उठने लगा। व्यस्त बाजार क्षेत्र में हुई इस घटना से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले बिजली मीटर से हल्की चिंगारी दिखाई दी और कुछ ही देर में वहां से धुआं निकलने लगा। धुआं उठता देख बैंक कर्मचारियों को सूचना दी गई, जिसके बाद कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने बिना देरी किए सूझबूझ का परिचय देते हुए आग बुझाने वाला सिलेंडर मंगाया और धुएं पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। समय रहते आग बुझाने वाले सिलेंडर का इस्तेमाल किए जाने से स्थिति नियंत्रण में आ गई और बड़ा हादसा टल गया। यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो आग एटीएम मशीन या आसपास की दुकानों तक फैल सकती थी, जिससे भारी नुकसान होने की आशंका थी। घटना के दौरान कुछ देर के लिए एटीएम के बाहर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोग भी एहतियातन मौके से दूर हट गए। गनीमत यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या बड़ा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।

बहजोई में किराए के मकान से चोरी, पुराना फ्रिज भी उठा ले गए चोर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के रमपुरा रोड स्थित एक किराए के मकान में चोरी की घटना सामने आने से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार नसीम अहमद पुत्र रहीश अहमद, जो रमपुरा रोड पर किराए के मकान में रहते हैं, किसी जरूरी कार्य से रमपुरा गए हुए थे। इसी दौरान उनके मकान पर ताला लगा हुआ था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने घर को निशाना बना लिया। बताया जा रहा है कि चोर घर में रखा सामान समेट ले गए। वहीं एक पुराना फ्रिज, जिसका प्रयोग परिवार अलमारी के रूप में करता था, उसे भी चोर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि उनके घर में इससे पहले भी तीन बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। लगातार हो रही वारदातों से परिवार दहशत में है और स्थानीय लोगों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। बहजोई कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मालिक ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है तथा जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, नालों पर बने अवैध चबूतरे किए ध्वस्त

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर में चंदौसी-बबराला हाईवे के निकट नालों के ऊपर किए गए अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। अभियान का नेतृत्व डिप्टी कलेक्टर एवं अधिशासी अधिकारी वंदना मिश्रा ने किया। भीषण गर्मी और कड़ी धूप के बावजूद वह स्वयं मौके पर मौजूद रहीं और नगर पालिका कर्मचारियों व पुलिस बल के साथ अभियान की निगरानी करती रहीं। नगर पालिका की टीम ने नालों पर अवैध रूप से चबूतरे बनाकर सामान रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई कब्जों को ध्वस्त कराया। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच नोकझोंक भी देखने को मिली, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में पूरा अभियान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों और सड़कों पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए ताकि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके।

प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि सरकारी भूमि, नालों और सड़कों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सम्भल में यातायात पुलिस का चेकिंग अभियान,चार टेंपो सीज

बिना हेलमेट, सीट बेल्ट और नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर भी हुई कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में जनपदभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने कई वाहनों के चालान किए और अवैध रूप से संचालित टेंपो पर सख्त कार्रवाई की। चेकिंग अभियान के तहत सम्भल-चन्दौसी रोड पर अवैध रूप से संचालित 4 टेंपो को सीज किया गया। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 टेंपो चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चला रहे 45 दोपहिया वाहन चालकों के चालान किए, जबकि सीट बेल्ट न लगाने पर 10 चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा चौराहों के आसपास अवैध रूप से खड़े 16 वाहनों का नो पार्किंग में चालान किया गया। अभियान के दौरान बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है। यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नर सेवा ही नारायण सेवा:- नीरज प्रताप सिंह

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर ब्लॉक के मुख्य द्वार पर भीषण गर्मी के बीच माह के बड़े मंगलवार को ब्लॉक में आने वालों व राहगीरों को गर्मी से राहत मिले, इस उद्देश्य से ठंडा शरबत पिलाया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज प्रताप सिंह ने बताया कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस भीषण गर्मी में ठंडा शरबत पिलाकर लोगों को राहत देने से बड़ा पुण्य मिलता है। इसलिए सबको गर्मी से राहत दिलाने के लिए मीठा शरबत पिलाया गया है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज प्रताप सिंह, बीडीओ त्रिलोक चन्द,सचिव विनीत कुमार, नसीम अहमद,हिमांशु कुमार, अंकुश कुमार,अमित कुमार, विवेक कुमार,अभिषेक, ओमपाल, पंकज, वैभव,रविंद्र आदि ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

टंकी अथवा समर सेबिल से पानी व्यर्थ बहता मिला तो लगेगा जुमार्ना

बिजनौर (सब का सपना):- पालिका के द्वारा धामपुर व नगर क्षेत्र की समस्त आम जनता से अपील की गई है कि जल अमूल्य है इसे व्यर्थ न बहायें। वर्तमान में भीषण ग्रीष्म ऋतु में यदि कोई भी व्यक्ति अथवा प्रतिष्ठान स्वामी पालिका की टंकी अथवा समर सेबिल से पानी व्यर्थ बहता हुआ पाया जाता है तो पालिका द्वारा कार्यवाही करते हुऐ अंकन 500.00 रु0 से लेकर 5,000.00 रू0 तक का जुमार्ना लगाया जायेगा। साथ ही किसी भी व्यक्ति के द्वारा पानी को व्यर्थ बहाते हुऐ की वीडियो बनाकर पालिका को भेजा है तो वीडियो भेजने वाले व्यक्ति को उचित इनाम प्रोत्साहन के तौर पर पालिका की ओर से प्रदान किया जायेगा एवं वीडियो भेजने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा। साथ ही नगर क्षेत्र धामपुर की जनता से अपील है कि कोई भी भवन स्वामी, प्रतिष्ठान स्वामी एवं ठेला चालको के द्वारा सड़क पर कूडा न डाले। कूडे को कूडा गाड़ी वाले को ही दें। सड़क पर कूडा डालते हुऐ नियमानुसार जुमार्ना वसूल किया जायेगा।

सतीश सोलंकी बने आर्य समाज खुर्जा के प्रधान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- गांधी मार्ग स्थित आर्य समाज बलदेव आश्रम में आयोजित बैठक में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्रधान पद पर आचार्य स्वदेश के निर्विरोध निर्वाचित होने पर खुशी जताई गई। इस दौरान आर्य समाज खुर्जा के प्रधान बाबूलाल आर्य ने स्वास्थ्य कारणों से पदमुक्त होने का आग्रह किया, जिसे सदस्यों ने स्वीकार कर लिया। बाद में सतीश सोलंकी एडवोकेट को सर्वसम्मति से आर्य समाज खुर्जा का नया प्रधान नियुक्त किया गया। सदस्यों ने उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।

श्मशान घाट पर अवैध कब्जे से ग्रामीण परेशान

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्राम पंचायत शेरपुर माजरा गांगरोल के गांव दाउदपुर में श्मशान घाट की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि दबंगों ने श्मशान घाट की भूमि पर बोगी-बिटोरे रखकर कब्जा कर लिया है, जबकि तालाब को भी खेत में बदल दिया गया है। मुख्य रास्ता खराब होने और श्मशान घाट के चारों ओर पानी भरने के कारण ग्रामीणों को शव खेतों के रास्ते ले जाने पड़ रहे हैं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान पति मुकेश शर्मा फोन तक नहीं उठाते। वहीं उपजिलाधिकारी सिकंदराबाद दीपकपाल सिंह ने कहा कि मामला वीडियो के माध्यम से संज्ञान में आया है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत पहासू में बांटे गए डफ्र व शीतल जल

पहासू/बुलंदशहर (सब का सपना):- भीषण गर्मी व लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर पंचायत पहासू द्वारा जनहित में विशेष स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगरवासियों को ओआरएस के पैकेट व शीतल जल वितरित किया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी शिकारपुर रविन्द्र प्रताप सिंह, अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह एवं सभासदों ने लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय बताए।

अधिकारियों ने नागरिकों से पर्याप्त पानी व तरल पदार्थों का सेवन करने तथा तेज धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की। कार्यक्रम में सभासदगण व नगर पंचायत कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक की ईंट से पीट पीट कर हत्या

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव खुसरूपुर में युवक की उसके दोस्त द्वारा ईंट से पीट पीट कर हत्या कर शव को फेंक दिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शव बरामद कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी विशंभर दयाल ने बताया कि गांव खुसरूपुर निवासी नेत्रपाल पुत्र रवि शंकर ने पुलिस को सूचना दी कि रविवार की सुबह उसका पुत्र अरविंद अपने दोस्त कपिल के साथ कहीं गया था लेकिन वापस नहीं लौटा है। जिसके बाद पुलिस द्वारा अरविंद की तलाश की गई तो ग्राम खुशरुपुर पुलिया के नीचे अरविंद का शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजने के साथ आरोपी कपिल को हिरासत में लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली गई है।

मंदिर में मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा, वितरित हुआ प्रसाद

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- ज्वाला भगवती वृद्धा एवं अनाथ आश्रम फाउंडेशन के द्वारा मंदिर खुर्जा-शिकारपुर रोड बढा बंबा के पास पूरे श्रद्धा भाव से मंगल देव, बुद्धदेव, बृहस्पति देव, खाटू श्याम, महाकाल भैरव, शंकरदेव, गुरु गोरखनाथ, चामुंडा माता की मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा हवन पूजन के साथ किया गया। श्री ज्वाला भगवती वृद्धा एवं अनाथ आश्रम फाउंडेशन के पुजारी पवन गिरि ने बताया कि हर साल इसी दिन मूर्ति स्थापना व भंडारा होता है। इस अवसर पर लोगों को प्रसाद भी वितरित किया गया।

हंगामा लोक समिति द्वारा तीन दिवसीय समर कैम्प का समापन

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर में हंगामा लोक सामाजिक,साहित्य समिति द्वारा बच्चो के लिए तीन दिन का निःशुल्क समर कैम्प का आयोजन किया गया। समर कैम्प का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुधीर अग्रवाल द्वारा फीता काटकर व माता शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। समिति की संस्थापिका राखी कौशिक उपासना कौशिक ने बताया की उनकी समिति द्वारा बच्चो को निशुल्क डांस कोरियोग्राफर गौरव चन्द्रा ,ढोलक व रचनात्मक गतिविधियां राखी कौशिक,सिलाई शीतल शर्मा, ममता चौहान,पेंटिग सुषमा रस्तौगी द्वारा डॉ राज मोहन विश्वास द्वारा योग शिक्षा,मेहंदी इरम अंसारी द्वारा कढ़ाई व खेल गतिविधियों उपासना कौशिक, वेस्ट मेटीरियल से उपयोगी वस्तु का निर्माण अंशु दीक्षित,कंप्यूटर शिक्षा से सम्बंधित जानकारी रवि चौहान,ड्राइंग गम्भीर सिंह द्वारा सिखायी गयी। तीन दिवसीय श्री जी समर कैम्प में सार्थक रस्तौगी,देवेशी अग्रवाल, वृन्दा अग्रवाल,दिव्यांश गुप्ता,भूमि, हिमांशी कार्तिक, सन्ध्या सैनी,लक्ष्य सैनी,राज सैनी, दक्ष, भावना, रोहित, दिव्या ,भूमि, रुद्रा, सचिन, आदित्य, मानस,अंश, पारस ,संजना, रोहिनी, परी, मानवी,प्रियांशु, वंश, विशाखा शर्मा,नैना,सोना, तुषार,आरुषि, सुहानी,रितिका,गौरव शर्मा,कार्तिक शर्मा,सान्वी गुप्ता, आरव गुप्ता,खुशी गुप्ता,देवांश आदि बच्चो को मुख्य अतिथि सुधीर अग्रवाल द्वारा सम्मानपत्र भेट कर सम्मानित किया गया। समिति की संस्थापिका राखी कौशिक उपासना कौशिक समिति के संरक्षक डॉ जितेन्द्र कौशिक निर्मला कौशिक द्वारा मुख्य अतिथि सुधीर अग्रवाल व रजिस्ट्रेशन प्रभारी शशिबाला शर्मा, प्रशिक्षक गौरव चन्द्रा,डॉ राजमोहन विश्वास,सुषमा रस्तौगी, शीतल शर्मा,रवि चौहान, अंशु दीक्षित,ममता चौहान,इरम अंसारी गम्भीर सिंह,परमजीत कौर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में रानी सैनी, मुकुल, डीवी, खुशी आदि भी उपस्थित रहे। कैम्प में बच्चो को पेंसिल,पैन, फ्रूटी,चॉकलेट ,टॉफी आदि चीजे बच्चो को भेट की गयी व सभी बच्चो को शर्बत पिलाया गया। कोरियोग्राफर गौरव चन्द्रा द्वारा खुशी को प्रथम व मानवी को द्वितीय रितिका को तृतीय स्थान प्राप्त होने पर स्मार्ट धड़ी भेट की गयी। समिति द्वारा सार्थक रस्तौगी को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

'इस्लाम में कुबार्नी का कोई विकल्प नहीं', अरशद मदनी बोले- मुसलमान सरकारी आदेशों को मानें

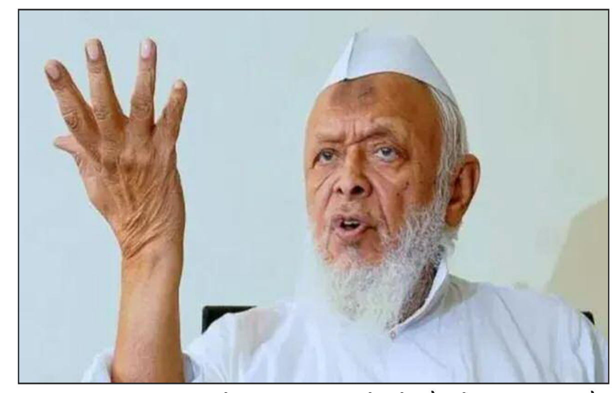

नई दिल्ली। ईदुल अजहा के अवसर पर भारतीय मुसलमानों के नाम अपने एक संदेश में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा है कि इस्लाम में कुबार्नी का कोई विकल्प नहीं है। यह एक धार्मिक कर्तव्य है, जिसका पालन करना हर क्षमता रखने वाले मुसलमान पर अनिवार्य है, इस लिए जिस व्यक्ति पर कुबार्नी अनिवार्य है उसे हर हाल में इस कर्तव्य को निभाना है। कुबार्नी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर न करें उन्होंने कहा कि पर्तमान परिस्थितयों को देखते हुए आवश्यक है कि मुसलमान स्वयं सावधानी से काम लें। प्रचार विशेष रूप से सोशल मीडिया पर कुबार्नी के जानवरों की तस्वीरें आदि शेयर न करें। मौलाना मदनी ने यह भी सुझाव दिया कि मुसलमान कुबार्नी करते समय सरकारी आदेशों का पूर्णतः पालन करें। प्रतिबंधित जानवरों की कुबार्नी से बचें और चूंकि मजहब में इसके बदले काले जानवर की कुबार्नी जायज है , इसलिए किसी भी उपद्रव से बचने के लिए इसी को पर्याप्त समझा जाना बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी जगह उपद्रवी काले जानवर की कुबार्नी से भी रोकते हैं तो समझदार और प्रभावशाली लोगों द्वारा स्थानीय प्रशासन को भरोसे में लेकर कुरबार्नी की जाए। अगर फिर भी खुदा न करे इस धार्मिक कर्तव्य को निभाने का कोई रास्ता न निकले तो जिस निकटतम आबादी में कोई परेशानी न हो वहां कुबार्नी करा दी जाए। परन्तु जिस जगह कुबार्नी होती आई है और फिलहाल परेशानी है वहां कम से कम बकरे की कुबार्नी अवश्य की जाए और प्रशासन के कार्यालय में इसको दर्ज भी करा दिया जाए ताकि भविष्य में कोई परेशान न हो। अरशद मदनी का ईदुल अजहा संदेश उन्होंने देश के मुसलमानों को ईदुल अजहा के अवसर पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने का सुझाव देते हुए कहा कि जानवरों के अवशेषों को सड़कों, गलियों और नालों में न डालें बल्कि अवशेषों को इस तरह दफ्न कर दिया जाए कि इससे बदबू न फैले। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि हर संभव प्रयास किया जाए कि हमारे काम से किसी को तकलीफ न पहुंचे। सांप्रदायिक तत्वों की ओर से किसी प्रकार के उपद्रव पर संयम और धैर्य से काम लेते हुए मामले की शिकायत स्थानीय थाने में अवश्य दर्ज कराई जानी चाहिए।

हाशिम बाबा गैंग का शार्प शूटर हरियाणा से दबोचा, दिल्ली के वेलकम कैफे मर्डर केस में था आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाशिम बाबा गैंग से जुड़े शार्प शूटर रुहैल उर्फ साहिल को हरियाणा के करनाल से गिरफ्तार किया है। 28 वर्षीय आरोपी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के अनूपशहर का रहने वाला है और वेलकम थाना क्षेत्र में हुए चर्चित हत्या कांड में वांछित चल रहा था। आरोपी पर हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज था। कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ धारा 84 बीएनएसएस की कार्यवाही भी जारी की गई थी। इस वर्ष जनवरी में वेलकम में की थी हत्या पुलिस के अनुसार, 23 जनवरी 2026 को वेलकम इलाके के एक कैफे में फैजान उर्फ फज्जी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रुहैल उर्फ साहिल, मोइन कुरैशी और सुहैल का नाम सामने आया था। जांच में पता चला कि हत्या की वजह मामूली विवाद था। बताया गया कि मृतक ने मोइन कुरैशी के पिता को नाम लेकर संबोधित किया था, जिससे विवाद बढ़ गया और गोलीबारी की घटना हुई। क्राइम ब्रांच को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा फरार अपराधियों की धरपकड़ का जिम्मा सौंपा गया था। इसके बाद इंस्पेक्टर राकेश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। लगातार ठिकाने बदल रहा था शूटर टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपित लगातार ठिकाने बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गया था। जांच के दौरान पुलिस ने उसके रिश्तेदारों और सहयोगियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। आखिरकार 24 और 25 मई की दरम्यानी रात पुलिस को करनाल में आरोपी के छिपे होने की पुख्ता सूचना मिली। इसके बाद टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पेशे से बढ़ई है रुहैल, यूपी में दर्ज हैं कई केस पुलिस पूछताछ में सामने आया कि रुहैल पेशे से बढ़ई का काम करता था और बेहद कम पढ़ा-लिखा है। दिल्ली आने के बाद उसका संपर्क आपराधिक तत्वों से हुआ और धीरे-धीरे वह चोरी और हथियारों से जुड़े मामलों में शामिल हो गया। उसके खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश में चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामले दर्ज हैं। इस मामले में सह आरोपी मोइन कुरैशी को स्पेशल सेल पहले ही फरवरी 2026 में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर चुकी है

दिल्ली जिमखाना क्लब विवाद: केंद्र ने हाई कोर्ट को दिया भरोसा, 5 जून को जमीन पर नहीं होगा जबरन कब्जा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की तरफ से सालिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार पांच जून को क्लब की जमीन पर जबरदस्ती कब्जा नहीं करेगी। एसजी ने न्यायमूर्ति अवनीश झिन्गन की पीठ को सूचित किया कि हमेशा के लिए लीज को खत्म करने सहित अन्य के लिए क्लब को नोटिस भेजा गया था। एसजी ने अदालत को भरोसा दिलाया कि उचित नोटिस देने के बाद कानून के अनुसार ही परिसर से बेदखली की कार्रवाई की जाएगी। एसजी ने यह जानकारी 27.3 एकड़ भूमि सरकार को सौंपने के लिए दिल्ली जिमखाना क्लब को जारी किए गए नोटिस के खिलाफ याचिका पर दी। उक्त तथ्यों को देखते हुए पीठ ने कहा कि क्लब के सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा केंद्र के 22 मई के उस आदेश के खिलाफ दायर मुकदमों पर किसी अंतरिम आदेश की जरूरत नहीं है। साथ ही अदालत ने मामले पर केंद्र और क्लब के प्रबंधन को समन कर लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। एसजी तुषार मेहता ने यह भी बताया कि क्लब की मौजूदा गवर्निंग बाडी ने अपनी शिकायतें उठाने के लिए अधिकारियों को पहले ही लिख दिया है। इसमें केंद्र सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने लुटियंस दिल्ली में स्थित जिमखाना क्लब से 27.3 एकड़ भूमि सरकार को सौंपने के लिए नोटिस दिया था। जिमखाना क्लब सदस्य 79 वर्षीय विजय खुराना ने याचिका दायर कर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा रक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा के अस्पष्ट और सामान्य कारण दिए गए हैं, जोकि एक दिखावा हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने के बजाय जबरन बेदखली की कोशिश है। याचिका में दावा किया गया है कि वास्तविक व आपातकालीन सार्वजनिक हित के बजाय भूमि पर कब्जा करने की यह एक सोची-समझी और सुनियोजित योजना है। खुराना ने बताया कि दिल्ली जिमखाना क्लब के 500 से ज्यादा सदस्यों ने याचिका का समर्थन किया है। याचिका में कहा गया कि इस मामले में तत्काल अंतरिम सुरक्षा जरूरी है।

पीएम पर भ्रामक वीडियो शेयर करने वाली लेखिका को गिरफ्तारी का डर, हाईकोर्ट से मांगी अग्रिम जमानत

चंडीगढ़। चर्चित लेखिका मधु पूर्णिमा किश्वर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जुड़ा कथित भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर शेयर करने के मामले में अब पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वह बुधवार सुबह तक इस केस की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। मामला चंडीगढ़ के सेक्टर-26 पुलिस थाने में 19 अप्रैल को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। आरोप है कि इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित एक कथित भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो साझा किया गया था। इस मामले में पुलिस ने मधु पूर्णिमा किश्वर को आरोपी बनाया है।

इससे पहले चंडीगढ़ की जिला अदालत ने 6 मई को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिला अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद अब उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।हाईकोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में मधु किश्वर ने कहा है कि एफआईआर में लगाए गए आरोप अस्पष्ट और अस्थिर हैं। याचिका में दलील दी गई है कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस सामग्री नहीं रखी गई, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने जानबूझकर कोई आपराधिक कृत्य किया हो।याचिका में यह भी कहा गया है कि विवादित वीडियो क्लिप न तो उन्होंने बनाई और न ही मूल रूप से अपलोड की। उनके अनुसार यह सामग्री किसी संदिग्ध और गैर-पहचाने इंटरनेट मीडिया हैंडल से पहले पोस्ट की गई थी। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि उन्होंने स्वयं सार्वजनिक तौर पर यह आशंका व्यक्त की थी कि संबंधित वीडियो संभवतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तकनीक की मदद से तैयार किया गया भ्रामक कंटेंट हो सकता है। मधु किश्वर ने अपनी याचिका में यह तर्क भी रखा है कि एफआईआर में स्वयं यह उल्लेख किया गया है कि वीडियो मूल रूप से परदीप कौर ढिल्लों नामक व्यक्ति द्वारा पोस्ट किया गया था। शिकायत में कई अन्य इंटरनेट मीडिया लिंक और व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख है, लेकिन इसके बावजूद केवल उन्हें ही आरोपी बनाकर नामजद किया गया। याचिका में कहा गया है कि जांच एजेंसियों ने मामले में चयनात्मक कार्रवाई की है और केवल एक व्यक्ति को निशाना बनाया गया है। ऐसे में गिरफ्तारी से संरक्षण देते हुए उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान की जानी चाहिए।

खबर एक्सप्रेस

पश्चिमी कमान को मिला ह्यवार रूम का मास्टर माइंड, अब चंडीमंदिर से तय होगी नई रणनीति

चंडीगढ़। चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में मंगलवार को भारतीय सेना की पश्चिमी कमान को नया रणनीतिक नेतृत्व मिला। लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ का पदभार संभाल लिया। सेना के भीतर उन्हें एक ऐसे अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने मैदान से लेकर वार रूम तक हर स्तर पर अपनी क्षमता साबित की है। लेफ्टिनेंट जनरल साही ऐसे समय में पश्चिमी कमान की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जब देश की पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। सीमा सुरक्षा, तकनीकी युद्ध, सूचना युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों का उनका लंबा अनुभव अब पश्चिमी कमान की रणनीतियों को नई दिशा देगा। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा का स्थान लिया है, जिन्हें सेना मुख्यालय में महानिदेशक रणनीतिक योजना की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।सियाचिन से मणिपुर तक ऑपरेशनल अनुभव पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से शिक्षा प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल साही को दिसंबर 1988 में राजपूत रेजिमेंट की 23वीं बटालियन में कमीशन मिला था। तीन दशक से अधिक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।सियाचिन ग्लेशियर जैसी दुनिया की सबसे कठिन तैनाती से लेकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवाद विरोधी अभियानों तक, उन्होंने हर मोर्चे पर नेतृत्व किया। उन्होंने काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स किलो में अपनी बटालियन और इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में भारतीय सेना की सबसे बड़ी कोर - 3 कोर की कमान शामिल है। यह कोर पूर्वी सीमाओं, भारत-म्यांमार सीमा और उत्तर-पूर्व के छह राज्यों की सुरक्षा संभालती है। मई 2023 में मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा के दौरान उन्होंने हालात को स्थिर करने और सैन्य आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर के भी विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल साही सिर्फ मैदान के कमांडर ही नहीं, बल्कि आधुनिक सैन्य रणनीति और सूचना युद्ध के भी विशेषज्ञ माने जाते हैं। सेना मुख्यालय में वे महानिदेशक सूचना युद्ध जैसी अहम जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आज के दौर में युद्ध सिर्फ सीमा पर हथियारों से नहीं, बल्कि तकनीक, साइबर नेटवर्क और सूचनाओं के जरिए भी लड़ा जाता है। ऐसे में उनकी नियुक्ति को पश्चिमी कमान के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम माना जा रहा है। उन्होंने अतिरिक्त महानिदेशक सैन्य संचालन और ऑपरेशनल कोर में ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ जैसे अहम पदों पर भी काम किया है। आर्मी वॉर कॉलेज को दिलाया राष्ट्रीय सम्मान पश्चिमी कमान में आने से पहले वे आर्मी वॉर कॉलेज, महू के कमांडेंट थे। उनके कार्यकाल में सैन्य शिक्षा को आधुनिक तकनीक और बदलती युद्ध जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। उनके नेतृत्व में संस्थान को 15 जनवरी, 2026 को ह्यचीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ यूनिट अप्रिसिएशन जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। सेना के भीतर इसे उनकी नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शी सोच का बड़ा प्रमाण माना जाता है। दो एमफिल, रणनीतिक अध्ययन में महारत लेफ्टिनेंट जनरल साही ने डीएसएससी वेलिंगटन, हायर कमांड कोर्स और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित सैन्य पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। उनके पास दो एमफिल डिग्रियां और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में मास्टर डिग्री भी है। उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, युद्ध सेवा मेडल और सेना मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने वीर स्मृति युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और परिचालन तत्परता, सैन्य क्षमता बढ़ाने तथा सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।

रायकोट में चुनावी हिंसाः कांग्रेस उम्मीदवार पर किरपान से हमला, गंभीर हालत में डीएमसी लुधियाना रेफर

लुधियाना। पंजाब में लुधियाना के अंतर्गत आते रायकोट में नगर कौंसिल चुनाव के दौरान चुनावी हिंसा का बड़ा मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 4 से कांग्रेस उम्मीदवार जगदेव सिंह जग्गा पर कथित तौर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया। घायल उम्मीदवार को पहले रायकोट के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें लुधियाना स्थित डीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार रायकोट शहर में पिछले दो दिनों से चुनावी माहौल काफी तनावपूर्ण बना हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वार्ड नंबर 4 समेत कुछ इलाकों में पहले से ही झड़प की आशंका जताई जा रही थी। बताया जा रहा है कि सोमवार रात भी दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच जमकर विवाद और हाथापाई हुई थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त सख्ती नहीं दिखाई। मंगलवार सुबह जब कांग्रेस उम्मीदवार जगदेव सिंह जग्गा अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे, तभी उन पर कथित तौर पर हमला कर दिया गया। कांग्रेस समर्थकों का आरोप है कि आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अमनदीप मान मांगट के समर्थकों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और किरपानों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।हमले में घायल जगदेव सिंह को तुरंत उपचार के लिए रायकोट के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें डीएमसी लुधियाना रेफर कर दिया। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों में भारी रोष फैल गया। कांग्रेस समर्थकों ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार और उनके समर्थकों पर जानलेवा हमले के आरोप लगाए हैं। वहीं भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरविंदर सिंह गोगी भुल्लर ने भी घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस पर पक्षपात करने के आरोप लगातार बढ़ रहे हैं।

इबोला अलर्ट के बाद अमृतसर एयरपोर्ट सतर्क, यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू; अफ्रीकी देशों के आने वालों पर खास नजर

अमृतसर। इबोला वायरस को लेकर देशभर में जारी अलर्ट के बीच अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सतर्कता बढ़ा दी गई है। विदेशों से आने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है और विशेष रूप से अफ्रीकी देशों से जुड़े यात्रियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार डायरेक्ट और कनेक्टेड उड़ानों से आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का तापमान जांचा जा रहा है। खासकर कांगो और युगांडा से जुड़े रूटों से आने वाले यात्रियों की विशेष निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग और एयरपोर्ट प्रशासन ने मिलकर एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। इबोला वायरस के खतरे को देखते हुए एयरपोर्ट डायरेक्टर भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक अहम बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न एयरलाइंस, कस्टम विभाग, एयरपोर्ट हेल्थ आगेर्नाइजेशन और सीआईएसएफ के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सभी एजेंसियों के बीच समन्वय और त्वरित कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यदि किसी भी यात्री में बुखार, कमजोरी या इबोला जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत एयरपोर्ट हेल्थ आगेर्नाइजेशन को सूचित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट पर मेडिकल निगरानी भी बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार इबोला प्रभावित देशों से आने वाले सभी यात्रियों से सेल्फ डिक्लेरेशन फार्म भरवाया जा रहा है। इस फार्म में यात्रियों को अपनी यात्रा, स्वास्थ्य स्थिति और संपर्क संबंधी जानकारी देनी होगी। अधिकारियों का कहना है कि इससे संदिग्ध मामलों की पहचान करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इबोला एक गंभीर वायरल बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैल सकती है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्टों पर निगरानी और स्क्रीनिंग को और सख्त किया गया है।

बरनाला में वोटिंग के बीच बवाल, भाजपा उम्मीदवार के पति पर हमला; पगड़ी उतारने के आरोप से गरमाई राजनीति

बरनाला। बरनाला में नगर निगम चुनाव के दौरान मंगलवार को हिंसा की घटना सामने आई है। वार्ड नंबर 15 में भाजपा उम्मीदवार दीपइंदर कौर के पति जसवीर सिंह पर कथित तौर पर हमला किया गया। आरोप है कि हमलावरों ने उनकी पगड़ी उतार दी और सिर पर तेजधार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और राजनीतिक माहौल गरमा गया। घायल जसवीर सिंह को तुरंत बरनाला के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में भारी रोष फैल गया। अस्पताल और मतदान केंद्र के आसपास बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।जसवीर सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी दीपइंदर कौर वार्ड नंबर 15 से भाजपा उम्मीदवार हैं और मतदान के दौरान सुबह से ही कुछ बाहरी लोग इलाके में घूम रहे थे। उनका दावा है कि ये लोग आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए थे और कथित तौर पर फर्जी वोटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी पहले ही पुलिस प्रशासन को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित ने लगाए फर्जी वोटिंग के आरोप

जसवीर सिंह के अनुसार जब उन्होंने कथित फर्जी वोटिंग का विरोध किया तो उन पर हमला कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पहले उनके साथ धक्का-मुक्की की और फिर पगड़ी उतार दी। इसके बाद सिर पर तेजधार हथियार से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान उनकी पत्नी दीपइंदर कौर और अन्य समर्थकों के साथ भी कथित तौर पर धक्का-मुक्की की गई। भाजपा नेताओं ने इस घटना को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए प्रशासन और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

आरोपियों को पकड़ने की रखी मांग

जसवीर सिंह ने आम आदमी पार्टी पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान खुलेआम फर्जी वोटिंग हो रही है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने हमले में शामिल लोगों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपों की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। मतदान केंद्र के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

जालंधर में घर में लगी भयानक आग, फर्नीचर व इलेक्ट्रॉनिक सामान राख; परिवार ने भाग बचाई जान

जालंधर। जालंधर के सोढल इलाके में मंगलवार को एक घर में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा घर उसकी चपेट में आ गया। घर से उठता काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जबकि ऊंची-ऊंची लपटों ने आसपास के लोगों को भी डरा दिया। हादसे में घर का लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय अचानक घर से धुआं निकलना शुरू हुआ। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे कमरे में फैल गई। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। स्थानीय लोगों ने पहले अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग लगातार बढ़ती चली गई। इसके बाद तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया।दो घंटे की मशक्कत के बाद आग काबू

दमकल कर्मचारियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर के अंदर रखा फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य घरेलू वस्तुएं पूरी तरह जल चुकी थीं। आग के कारण घर को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मकान मालिक शीतल सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अचानक घर में धुआं भरने लगा और कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई। परिवार के सभी सदस्य समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं इलाके के कुछ लोगों ने अलग आशंका भी जताई है। लोगों का कहना है कि घटना के समय घर में बच्चे माचिस से खेल रहे थे। बताया जा रहा है कि माचिस की एक जलती तीली बिस्तर पर गिर गई, जिसके बाद आग लग गई और धीरे-धीरे पूरे कमरे में फैलती चली गई। हालांकि आग लगने के असली कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

आग लगने के कारण जानने में जुटी फायर ब्रिगेड घटना के बाद इलाके में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि परिवार का लाखों रुपये का सामान जल गया है और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। फिलहाल दमकल विभाग और पुलिस की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

पंजाब निकाय चुनावः जालंधर में गर्मी में मतदान के लिए कतार में खड़े लोगों को पानी-चाय की सेवा करती दिखीं कांग्रेस उम्मीदवार

जालंधर। जालंधर जिले के पांच नगर परिषद आदमपुर, करतारपुर, नकोदर, नूरमहल और फि ल्लोर तथा नगर पंचायत लोहियां खास और महितपुर के कुल 99 वार्डों के 133 बूथों पर भरी दोपहर में भी मतदान को लेकर लोगों का उत्साह बना रहा। चुनावी मैदान में आम आदमी पार्टी, भाजपा और कोंग्रेस सहित आजाद कुल 341 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिले में दोपहर तक कोई विवाद या हिंसक घटना की नहीं हुई। इस दौरान राजनीति के साथ सेवा भावना की भी निशाल देखने को मिला। गर्मी में जब लोग मतदान के लिए कतार में लगे थे, तो नगर परिषद के वार्ड सात से कोंग्रेस की उम्मीदवार गुरमीत कौर साहनी ने खुद से ही लोगों का पानी के साथ चाय के सेवा में जुट गई। कई लोगों ने उन्हें बैठने की सलाह देकर पानी पिलाने की बात कही, लेकिन उन्होंने कहा की ये तो उनका अपने लोगों के लिए फरर्ज.है। चाहे वो वोट किसी को दें, लेकिन इस गर्मी में किसी को पानी पिलाने से उनके मन की तसल्ली मिली है।

पंजाब नगर काउंसिल चुनावः गिद्दड़बाहा में वोटिंग के बीच बवाल, AAP-SAD समर्थकों में मारपीट; बूथ पर मची अफरा-तफरी

मुक्तसर साहिब। मुक्तसर जिले के गिद्दड़बाहा में नगर कौंसिल चुनाव के दौरान मंगलवार को मतदान केंद्रों पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। वार्ड नंबर 18 और 19 में आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बाहर से लोगों को लाकर चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं। झड़प के दौरान लात-घूंसे चलने से मतदान केंद्र पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह मतदान प्रक्रिया सामान्य रूप से चल रही थी, लेकिन कुछ देर बाद दोनों दलों के समर्थकों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि हाथापाई तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार कई कार्यकर्ता एक-दूसरे से भिड़ गए, जिससे मतदान केंद्र के बाहर हंगामे जैसे हालात बन गए।अकाली नेताओं से मारपीट का आरोप अकाली दल समर्थकों का आरोप है कि विधायक डिंपी ढिल्लों के पीए और उनके साथियों ने अकाली नेता चरणजीत सिंह भुंदड़ और अन्य कार्यकताओं के साथ मारपीट की। वहीं आम आदमी पार्टी समर्थकों ने भी अकाली कार्यकताओं पर हमला करने और माहौल खराब करने के आरोप लगाए हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे को घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।अचानक हुई इस झड़प से मतदान केंद्र पर मौजूद मतदाताओं में डर का माहौल बन गया। खासकर महिलाओं और बुजुर्ग मतदाताओं में घबराहट देखने को मिली। कुछ समय के लिए लोग मतदान केंद्र से दूर हट गए और स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।पुलिस ने दोनों पक्षों को करवाया शांत घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। इसके बाद मतदान प्रक्रिया दोबारा शुरू करवाई गई। प्रशासन ने वार्ड नंबर 18 और 19 के मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। घटना के बाद विपक्षी दलों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराने में प्रशासन विफल रहा है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक जारी है।

चंडीगढ़ के बाजारों में वेंडिंग जोन बनाने का मुद्दा गरमाया; प्रशासन के फैसले पर आपत्ति, विरोध में उतरे व्यापारी

चंडीगढ़। शहर के कुछ बाजारों में वेंडिंग जोन बनाने का मुद्दा गरमा गया है। प्रशासन के इस फैसले का उद्योग व्यापार मंडल ने विरोध किया है। व्यापारियों की मांग है कि वेंडिंग जोन बाजारों की सीमा से बाहर बनाए जाएं। व्यापारियों ने इस संबंध में प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया कि वेंडर्स सेक्टर 19, सेक्टर 22 सहित कई प्रमुख बाजारों में वेंडिंग जोन बनाने की मांग कर रहे हैं, जिससे दुकानदारों और आम लोगों की परेशानियां बढ़ेंगी।चंडीगढ़ के संगठित बाजारों की मूल योजना दुकानों की संख्या, ग्राहकों की आवाजाही, पार्किंग क्षमता तथा यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। बाजारों के भीतर लगातार बढ़ती वेंडिंग गतिविधियों के कारण इन बाजारों की मूल संरचना एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रभावित हो रहा है।व्यापारियों ने कहा कि अधिकांश वेंडर्स केवल प्रमुख बाजारों में ही स्थान चाहते हैं। क्योंकि वहां व्यावसायिक गतिविधियां अधिक हैं। इससे बाजारों में अत्यधिक भीड़, ट्रैफिक अव्यवस्था तथा आम जनता एवं स्थायी दुकानदारों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वह वेंडर्स के रोजगार और पुनर्वास के खिलाफ नहीं है, लेकिन उनके लिए अलग और व्यवस्थित स्थान बाजारों के बाहर बनाए जाने चाहिए। उन्होंने मांग की कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग सुव्यवस्थित वेंडिंग स्थल विकसित किए जाएं ताकि सभी वेंडर्स केवल प्रमुख बाजारों में केंद्रित न हों। प्रशासन से मांग की है कि बाजारों के अंदर कोई नया वेंडिंग जोन न बनाया जाए और जो वेंडिंग जोन पहले से बाजारों में हैं, उन्हें भी बाहर स्थानांतरित किया जाए।

वायरल ऑडियो पर घिरे राजा वड़िंग, एससी आयोग ने एसएसपी को किया तलब; मांगी फोरेंसिक रिपोर्ट

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग एक कथित वायरल ऑडियो क्लिप को लेकर नए विवाद में घिर गए हैं। राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त रुख अपनाया है और मुक्तसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। आयोग ने पुलिस को ऑडियो की फोरेंसिक जांच करवाकर पूरी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। विवाद उस कथित वायरल ऑडियो क्लिप को लेकर शुरू हुआ, जिसमें एक हजार में डेढ़, दो हजार में भेड़ह्व जैसी टिप्पणी सुनाई देने का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर क्लिप तेजी से वायरल होने के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया और मामले ने तूल पकड़ लिया।जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई सामाजिक सुरक्षा मंत्री डॉ. बलजीत कौर द्वारा भेजे गए संदेश के आधार पर की गई है। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग एक्ट-2004 की धारा 10 के तहत आयोग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयोग ने मुक्तसर के एसएसपी को 29 मई सुबह नौ बजे व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं।आयोग ने मांगी रिपोर्ट आयोग ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वायरल ऑडियो की फोरेंसिक जांच करवाई जाए और उसकी तथ्यात्मक रिपोर्ट आयोग के समक्ष पेश की जाए। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि आदेशों का पालन नहीं किया गया तो आयोग सिविल अदालत जैसी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है। वहीं दूसरी तरफ राजा वड़िंग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा कर पूरे मामले को राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने दावा किया कि यह करीब सात साल पुराना फर्जी ऑडियो है, जिसे अब उन्हें बदनाम करने के लिए दोबारा फैलाया जा रहा है। वड़िंग ने कहा कि कोई भी आसानी से समझ सकता है कि वायरल क्लिप में सुनाई देने वाली आवाज उनकी नहीं है।वड़िंग ने सरकार पर साधा निशाना

राजा वड़िंग ने आम आदमी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि फर्जी सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले के राजनीतिक रूप लेने के बाद पंजाब की सियासत और गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे विपक्ष को दबाने की कोशिश बताया है, जबकि विरोधी दल लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी वायरल ऑडियो को लेकर बहस तेज हो गई है।

बीजेपी प्रत्याशी का किया अपहरण', पंजाब निकाय चुनाव के बीच सरकार पर भड़के रवनीत बिट्टू,एसएसपी और डीसी को बताया कठपुतली

संगरूर। केंद्रीय राज्य रेल मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने स्थानीय रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के हलका धूरी में नगर काउंसिल चुनाव जीतने के लिए सरकार जमकर गुंडागर्दी कर रही है व पुलिस के साथ मिलकर लोकतंत्र का हनन किया जा रहा है। बिट्टू ने कहा कि पुलिस ने पहले भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता ओंकार सिंह को हिरासत में ले रखा है। वहीं, धूरी के वार्ड नंबर-9 से भाजपा के प्रत्याशी प्रिया के पति बब्लू को सत्ताधारियों द्वारा जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। इन दोनों मामलों को लेकर जब वह धूरी जा रहे थे तो पुलिस ने बेनड़ा से उनका काफिला रोककर उन्हें चुनाव आचार सहिंता लगे होने के तर्क देकर धूरी में दाखिल होने से रोक लिया और उन्हें वापस संगरूर लौटना पड़ा। पुलिस अभी तक ओंकार सिंह के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने पुलिस पर ओंकार सिंह का अपहरण करने व गैरकानूनी तरीके से गिरफ्तार करके रखने का आरोप लगाया।बीजेपी प्रत्याशियों को डराया-धमकाया जा रहा हैः बिट्टू

धमकियों से डरकर बब्लू भी संगरूर में उनके पास पहुंचे व उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया। बिट्टू ने कहा कि पहले सरकार ने नगर काउंसिल चुनाव के लिए मैदान में उतरे गए भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन कथित तौर पर गलत तरीके से रद करवा दिए, कुछ बाकी बचे भाजपा प्रत्याशियों को डराया-धमकिया जा रहा है, पुलिस प्रशासन व सिविल प्रशासन सरकार के हाथ की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं।उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर आरोप लगाया कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं, जिस कारण धूरी के वोटरों में सरकार के प्रति रोष है व अपनी हार को देखते हुए सरकार धूरी में जमकर लोकतंत्र का कत्ल करके गलत तरीके से चुनाव जीतने की राह पर चल रही है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

वह इस धक्केशाही के खिलाफ माननीय कोर्ट से लेकर पंजाब चुनाव आयोग तक पहुंच करेंगे। उन्होंने पंजाब चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर निगम, नगर कौंसिल, नगर पंचायत चुनाव में मनमानी करने की खातिर चुनाव ईवीएम की बजाए बेल्ट पेपर पर करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धूरी में सरकार के इशारे पर हो रही धक्केशाही व गुंडागर्दी ने यह साफ कर दिया है कि वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव से पहले ही सरकार लोगों में से अपना आधार खो चुकी है। वर्ष 2027 के विधानसभा में लोग आम आदमी पार्टी को सबक सिखाएंगे व इस धक्केशाही का मुंह तोड़ जवाब देंगे।

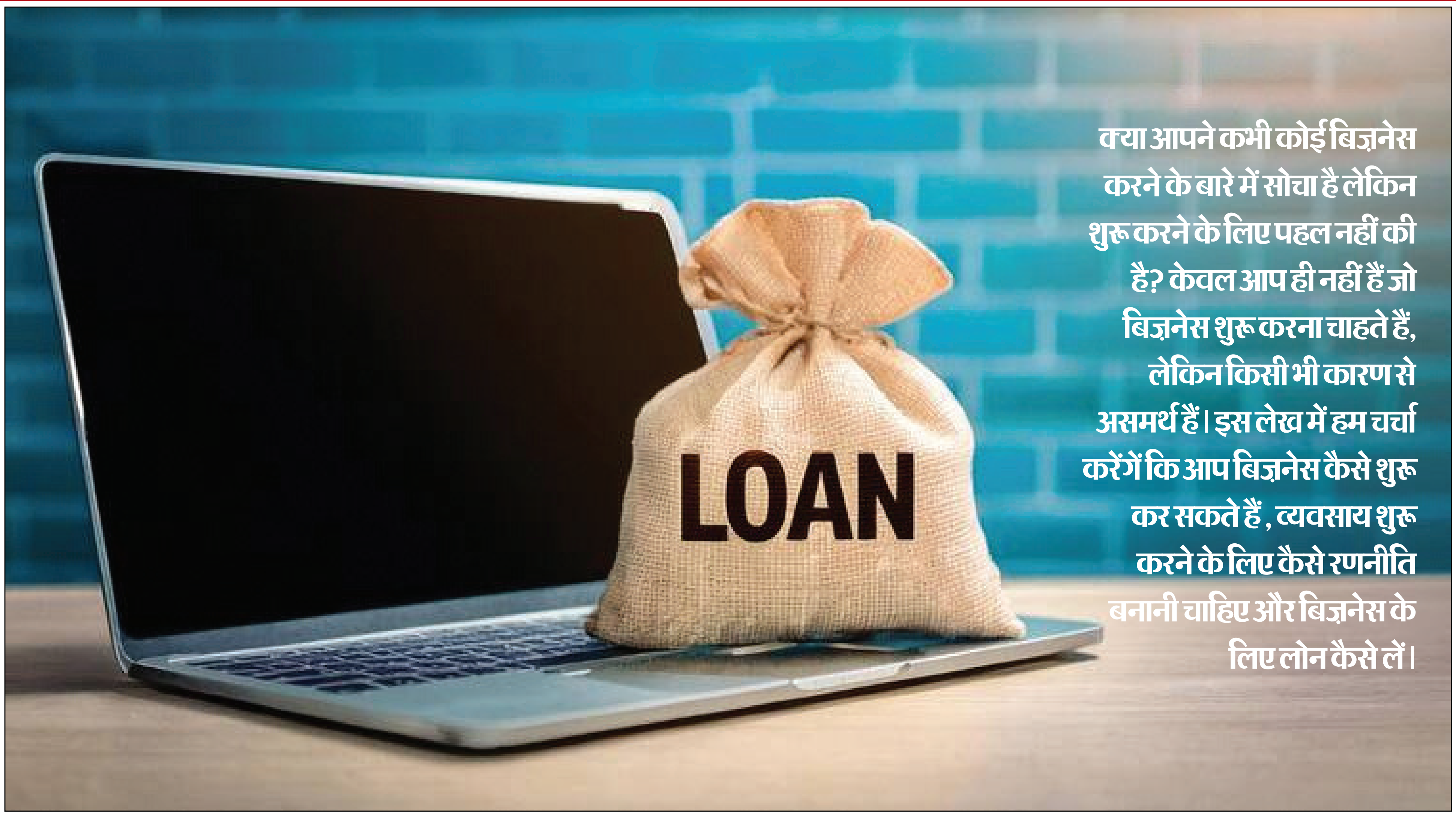

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम
अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना
कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना
एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना
अकाउंट सिस्टम चुनना
एक वेबसाइट बनाना
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ढ्ढञ्ज पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

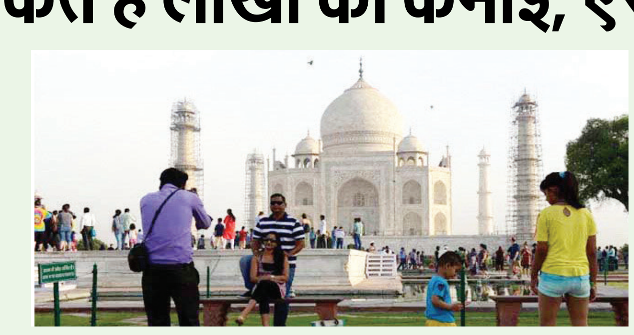

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (स्न, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

सलमान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर चर्चा की

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

वेधा जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक

टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह 'वेधा' के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, 'वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।' निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, 'डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। 'वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।' निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है, जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा।' बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो 'अनुपमा' में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो 'श्रीमयी' का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ की

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है।

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।''

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

संघर्ष से रहा गहरा नाता, आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।

बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की। इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाती हैं शेफाली

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।